

**अवगुंठन** पुं. (तत्.) 1. स्त्री द्वारा घूँघट आदि से मुँह छिपाने की क्रिया 2. छिपाना पुं. 1. कपड़े का वह भाग जो मुँह छिपाने के लिए प्रयुक्त होता है, बुर्का 2. परदा 3. आवरण 4. यज्ञादि धार्मिक अनुष्ठान में उंगलियों को मिला कर बनाई जाने वाली एक विशेष मुद्रा 5. झाड़ू।

**अवगुंठनवती** स्त्री. (तत्.) 1. घूँघट से ढँके हुए मुख वाली (महिला) 2. कपड़े से ढँके हुए शरीर वाली, बुर्का से आवृत शरीर व मुख वाली।

**अवगुंठिका** स्त्री. (तत्.) घूँघट, परदा।

**अवगुंठित** वि. (तत्.) 1. ढका हुआ, छिपा हुआ, छिपाया गया 2. चूर-चूर किया हुआ।

**अवगुंठिता** स्त्री. (तत्.) आवरण युक्त स्त्री, घूँघट या बुर्के वाली।

**अवगुंफन** पुं. (तत्.) 1. गूँथना 2. पिरोने की क्रिया, बुना हुआ।

**अवगुंफित** वि. (तत्.) 1. गूँथा हुआ, बुना हुआ 2. पिरोया हुआ।

**अवगुण** पुं. (तत्.) 1. दोष, ऐब 2. बुराई, खोट।

**अवगूहन** पुं. (तत्.) 1. छिपाने की क्रिया या भाव, गोपन 2. आलिंगन 3. ढँकना, आच्छादन।

**अवग्रह** पुं. (तत्.) शा.अर्थ. 1. ठीक से ग्रहण न करना 2. रुकावट, बाधा, अड़चन 2. संधिविग्रह करना 3. संधिविच्छेद का चिह्न जैसे- मंदोऽपि 4. नित्य संधि के न होने की स्थिति।

**अवग्रहण** पुं. (तत्.) 1. अनादर, अपमान या हीन कर समझना 2. बाधा, रुकावट।

**अवघट** वि. (तत्.) 1. विकट, दुर्गम 2. कठिन।

**अवघट्ट** पुं. (तत्.) 1. गुफा 2. माँद, बिल 3. पीसने की चक्की।

**अवघर्षण** पुं. (तत्.) रगड़ने या पीसने की क्रिया।

**अवघात** पुं. (तत्.) 1. प्रहार 2. आघात 3. हत्या 4. धान आदि कूटने की क्रिया।

**अवघूर्ण** पुं. (तत्.) 1. वातावर्त, बवंडर 2. चक्कर, भ्रमि। *virtigo*

**अवघूर्णन** पुं. (तत्.) 1. चक्कर काटना, सिर चकराना 2. लुढ़कना 3. बवंडर उठना।

**अवघोषक** पुं. (तत्.) झूठी खबर उड़ानेवाला, अफवाह फैलाने वाला।

**अवघोषण** स्त्री. (तत्.) शासन की ओर से की जाने वाली घोषणा, मुनादी, ढिंढोरा।

**अवचन** पुं. (तत्.) 1. वचन का अभाव 2. मौन, चुप्पी 3. कुवचन, निंदा।

**अवचनीय** वि. (तत्.) 1. जो कहने योग्य न हो 2. अश्लील, फूहड़ 3. जिसका वर्णन न किया जा सके।

**अवचूड़** पुं. (तत्.) ध्वजा के ऊपरी सिरे पर बँधा हुआ कपड़ा।

**अवचूर्ण** पुं. (तत्.) रसा. किसी दानेदार पदार्थ का पिसा हुआ चूर्ण रूप, जैसे- आटा, पर्या. चूरा।

**अवचूर्णन** पु. 1. चूरा बनाना 2. चूरा बुरकना।

**अवचूर्णित** वि. (तत्.) चूरा-चूरा किया हुआ, भली-भाँति पीसा हुआ।

**अवचूषण** पुं. (तत्.) 1. किसी द्रव या गैसीय पदार्थ को चूसने या सोखने की क्रिया या भाव 2. भौति. विकिरण ऊर्जा को पूर्ण रूप से आत्मसात् कर लेने की क्रिया 3. ला.अर्थ. किसी की क्षमताओं का अधिकाधिक उपयोग करते हुए 'नहीं' के बराबर प्रतिफल देने का भाव टि. चूषण एकतरफा क्रिया है। चूषक प्रतिफल में कुछ नहीं देता पर्या. अवशोषण। *absorption*

**अवचेतन** वि. (तत्.) स्वप्नवत चेतनता, चेतना की सीमारेखा के बाहर विद्यमान अंतश्चेतना। *subconscious*

**अवचेतना** स्त्री. (तत्.) दे. अवचेतन।

**अवच्छद** पुं. (तत्.) निचला ढक्कन या आवरण।